क्रं.–2111528/ए/सूचना का अधिकार/2014
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
जल संसाधन विभाग, तुलसी नगर, भोपाल

प्रति,

भोपाल, दिनांक– /2/2021

01. आयुक्त, कमाण्ड क्षेत्र संचनालय, जल संसाधन विभाग,भोपाल ।
02. आयुक्त, बाण सागर, भू–अर्जन परियोजना, रीवा।
03. परियोजना संचालक, मोहनपुरा, कुण्डलिया परि.क्रियान्वयन इकाई, राजगढ।
04. मुख्य अभियंता, न.ता.क.,जल संसाधन विभाग, इन्दौर।
05. मुख्य अभियंता, यमुना कछार, जल संसाधन विभाग,ग्वालियर।
06. मुख्य अभियंता, राजघाट परियोजना, जल संसाधन विभाग, दतिया।
07. मुख्य अभियंता, वि/यां. जल संसाधन विभाग,भोपाल।
08. मुख्य अभियंता, चंबल बेतवा कछार, जल संसाधन विभाग,भोपाल।
09. मुख्य अभियंता, बोधी, जल संसाधन विभाग, भोपाल ।
10. मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, होशंगाबाद।
11. मुख्य अभियंता, धसान केन कछार, जल संसाधन विभाग,सागर।
12. मुख्य अभियंता, बैनगंगा कछार, जल संसाधन विभाग, सिवनी।
13. मुख्य अभियंता, गंगा कछार, जल संसाधन विभाग, रीवा।
14. वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी, कार्यालय प्रमुख अभियंता,जल संसाधन विभाग,भोपाल।

विषयः– सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत रिकार्ड का रखरखाव ओर सूचना का प्रकाशन।

विषयान्तर्गत अवर सचिव म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग (सू.अ.प्र.) मंत्रालय भोपाल के पृष्ठांकन कमांक एफ.11–24 सू.अ.प्र./08/1–9/764 भोपाल दिनांक 02.09.2008 की छायाप्रति संलग्न प्रेषित कर अनुरोध है कि पत्र में दिये गये निर्देशों का पालन किया जाना सुनिश्चित करें।

सहपत्रः– उपरोक्तानुसार

(एम.एस. डावर)
प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

पृ.क. 2111528/ए/सूचना का अधिकार/2014
भोपाल, दिनॉक 8/2/2021

प्रतिलिपि,

01. वेब मैनेजर, कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल की विभाग की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने हेतु प्रेषित।

सहपत्रः– उपरोक्तानुसार

(एम.एस. डावर) 6/2/21
प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

(12)

संख्या- 1/18/2007-आई.आर

भारत सरकार

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च, 2008

सेवा में,

सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिव

विषय :- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत रिकॉर्ड का रख-रखाव और सूचना का प्रकाशन ।

महोदय,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 में अधिकाधिक सूचना के स्वयं प्रकटीकरण के प्रावधान के माध्यम से लोक प्राधिकारियों के काम-काज में पारदर्शिता की एक व्यावहारिक व्यवस्था निर्धारित की गई है ताकि जनता को सूचना प्राप्त करने के लिए अधिनियम की धारा 6 का सहारा न लेना पड़े । अधिनियम का यह एक ऐसा महत्वपूर्ण भाग है जिसका अनुपालन, इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अनिवार्य है ।

2. अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसार प्रत्येक लोक प्राधिकारी को अपने सभी रिकॉर्डों को सूचीकृत और अनुक्रमणिका (इन्डेक्स) बना कर रखना बाध्यकर है । इस प्रावधान के अनुसार रिकॉर्ड प्रबंधन, लोक सूचना अधिकारी को अधिनियम के तहत मांगी गई सूचना मुहैया करवाने में सक्षम बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है । इस खंड में लोक प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह अपने रिकॉर्डों को कम्प्यूटरीकृत करे और उन्हें देश भर में नेटवर्क के माध्यम से जोड़ दे । लोक प्राधिकारियों से, इस खंड की अपेक्षाओं को उच्चतम वरियता के आधार पर पूरा करने की प्रत्याशा की जाती है ।

3. उपर्युक्त उप धारा के खंड (ख) के अनुसार लोक प्राधिकारियों के लिए यह अधिदेशात्मक है कि वे उसमें उल्लिखित सूचनाओं का प्रकाशन, अधिनियम के लागू होने की तारीख से 120 दिनों के भीतर करवाएं । आशा की जाती है कि सभी लोक प्राधिकारियों द्वारा इस अपेक्षा का अनुपालन पहले ही किया जा चुका होगा । यदि ऐसा नहीं किया गया है तो इसका अनुपालन बिना कोई और विलंब किए सुनिश्चित कर लिया जाए ।

4. अधिनियम की धारा 4 की उप धारा (1) के खंड (ग) के अंतर्गत सभी लोक प्राधिकारियों के लिए यह बाध्यकर है कि वे जनता को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण नीतियां तैयार करते समय और निर्णय घोषित करते समय सभी संगत तथ्यों को प्रकाशित करें । वे खंड (घ) के अनुसार प्रभावित पक्षों को अपने प्रशासनिक अथवा अर्द्ध-न्यायिक निर्णयों के संबंध में कारण बताने के लिए भी बाध्य हैं ।

5. अधिनियम की धारा 4 में यह अपेक्षित है कि स्वतः प्रकाशनीय सूचनाओं का व्यापक प्रसार, इस रूप और इस ढंग से किया जाए कि वह जनता तक पहुंच सके। सूचना का प्रसार नोटिस बोर्डों, समाचार पत्रों, सार्वजनिक उद्घोषणाओं, मीडिया प्रसारणों, इंटरनेट अथवा किन्हीं अन्य साधनों/माध्यमों द्वारा किया जा सकता है। सूचना का प्रसार करते समय प्रत्येक लोक प्राधिकारी को संबंधित स्थानीय क्षेत्र में लागत प्रभाव, स्थानीय भाषा और संचार की सर्वाधिक प्रभावी पद्धति को ध्यान में रखना चाहिए। लोक सूचना अधिकारी के पास सूचना, जहां तक संभव हो, इलैक्ट्रानिक प्रारूप में उपलब्ध होनी चाहिए जो जनता को निःशुल्क अथवा यथा निर्धारित शुल्क पर मुहैया करवाई जा सके। पैरा 3 में उल्लिखित प्रकाशित दस्तावेज की एक प्रति और उपर्युक्त पैरा 4 में उल्लिखित प्रकाशनों की प्रतियां लोक प्राधिकारी के एक अधिकारी के पास रखी जानी चाहिए और इन दस्तावेज़ों का निरीक्षण करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण के लिए उपलब्ध होनी चाहिए।

6. अनुरोध है कि आप राज्य सरकार के अधीनस्थ सभी लोक प्राधिकारियों को उपर्युक्त अपेक्षाओं के अनुपालन करने के संबंध में आवश्यक अनुदेश जारी करें। आपसे यह भी प्रार्थना है कि उक्त कानूनी अपेक्षाओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य में समुचित व्यवस्था का निर्माण किया जाए।

भवदीय,

(कृष्ण गोपाल वर्मा)
निदेशक

मध्य प्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
(सूचना अधिकार प्रकोष्ठ)
मंत्रालय

पृ०कमांक: एफ 11–24/सूअप्र/08/1–9 /764 भोपाल, दिनांक 02/09/2008

प्रतिलिपि–

शासन के समस्त विभाग, मध्य प्रदेश शासन, मंत्रालय, भोपाल की ओर आदेशानुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(एस०सी०पाराशर)
अवर सचिव,
मध्य प्रदेश शासन, सा०प्र०वि०(सूअप्र), मंत्रालय